राधिका गोरी से, ब्रज की छोरी से ....

राधिका गोरी से, ब्रज की छोरी से, मैय्या करादे मेरो ब्याह।
उमर तेरी छोटी है, नजर तेरी खोटी है, कैसे करादूं तेरो ब्याह।।

जो ना ब्याह कराये, तेरी गैय्यां नाहीं चराऊँ ।
आज के बाद ओ मैय्या, तेरी देहरी पे न आऊँ ।
आयेगाऽ रे मजा–2 अब जीत हार का ।।
राधिका गोरी से ....

चन्दन की चौकी पे, मैय्या तुझको बिठाऊँ ।
अपनी राधिका गोरी से, चरण तेरे दबवाऊँ ।
भोजन मैं बनवाऊँगा–2 छप्पन प्रकार के ।।
राधिका गोरी से ....

छोटी–सी दुल्हनियाँ, तेरे अँगना में डोलेगी ।
तेरे सामने मैय्या, वो घूँघट ना खोलेगी ।
दाऊ से जा कहियो–2 अपने प्यार का ।।
राधिका गोरी से ....

सुनकर बातें कान्हा की मैय्या बैठी मुस्काए ।
लेकर के बलैय्या, मैय्या लाला को समझाए ।
नजर कहीं लग जाये ना मेरे लाल को ।।
राधिका गोरी से ....

कबीरा खड़ा बाजार में, मांगे सबकी खैर ।
ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर ।।